ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -24 अंक - 06 जून-II-2022 (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 8.50

आज़ादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ओमशांति भवन में ' दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम का शुभारंभ

ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा किया जा रहा मानव निर्माण का अद्भुत और अकल्पनीय कार्य : हार्डिया

'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम का शुभारंभ

इंदौर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'आज़ादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर' अभियान के अंतर्गत 'दया एवं करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' वार्षिक थीम का ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाईजी सभागृह ज्ञानशिखर ओमशान्ति भवन में शुभारंभ हुआ।

इस अवसर पर विधायक एवं पूर्व मंत्री महेन्द्र हार्डिया ने कहा कि इस अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा वर्ष भर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। स्वर्णिम भारत आत्मनिर्भर भारत से ही बनेगा। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा मानव निर्माण का बहुत महत्वपूर्ण कार्य किया जा रहा है।

इंदौर ज़ोन की मुख्य क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी ने कहा कि सच्ची दया बहुत शुद्ध व उच्च कल्याण की भावना है। सच्चे दिल से की गई दया में रहम और करुणा का भाव होता है और वह मनुष्य को सोचने, समझने तथा अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए विवश कर देता है। भारत सरकार संस्कृति मंत्रालय में नेशनल काउंसिल फंड के सदस्य डॉ. भरत शर्मा ने कहा कि आज देश और दुनिया संवेदना विहीन होती जा रही है। ऐसे में दया और करुणा जो कि हिन्दुस्तान की परम्परा रही है वह फिर से आध्यात्मिकता के द्वारा ही लाई जा सकती है। ब्रह्माकुमारी संस्था इसके लिए प्रयासरत है।

डॉ. प्रशांत चौबे,अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर ने कहा कि विश्व को मानवता सिखाने

वाला भारत देश ही है। क्रोध का प्रतिकार क्रोध से करने पर विध्वंश ही होता है और क्रोध का प्रतिकार क्षमा से करें तो शांति स्थापित हो जाती है। इंदौर की पूर्व महापौर डॉ. उमाशशी शर्मा ने कहा कि माता दया और करुणा सिखाने वाली सबसे बड़ी प्रथम गुरु है। माँ में कोई स्वार्थ नहीं होता। उन्होंने कहा कि हमें प्राणी मात्र पशु पक्षी सब पर दया करनी चाहिए। शक्तिनिकेतन कन्या छात्रावास की संचालिका ब्र.कु. करुणा दीदी ने कहा कि दया के लिए हमें मन को क्रोध रूपी विकार से दूर रखना होगा। क्रोध के वशीभूत होकर हम कभी भी दया नहीं कर सकते। जीवन में जब स्थायी दया आ जाती है, तो उसे ही करुणा कहते हैं।

ब्र.कु. जयंती दीदी,संचालिका,कालानी नगर सेवाकेन्द्र ने योगाभ्यास कराया तथा ब्र.कु. अनिता दीदी ने कार्यक्रम का संचालन किया। ब्र.कु. आकांक्षा बहन ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ ज्ञानशिखर के 6वें वार्षिकोत्सव के अवसर पर केक कटिंग की गई एवं इंदौर ज़ोन के पूर्व क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश भाईजी के कर्त्तव्यों का स्मरण किया गया। तत्पश्चात् ज्ञानशिखर में गत वर्ष हुई सेवाओं की झलकियां वीडिया के रूप में दिखाई गई। शक्तिनिकेतन की छात्राओं द्वारा भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये।

सड़क सुरक्षा मोटर बाइक यात्रा को बिलासपुर से हरी झंडी

अनुशासन, तनावमुक्ति से रुकेंगी दुर्घटनाएं

बिलासपुर-टिकरापारा(छ.ग.)। ब्रह्माकुमारीज़ के यातायात एवं परिवहन प्रभाग द्वारा शहर में ' सुरक्षित भारतः सड़क सुरक्षा मोटर बाइक यात्रा' का

शुभारम्भ नॉर्थ ईस्ट इंस्टीट्यूट के ऑडिटोरियम में हुआ। इस मौके पर पुलिस महानिरीक्षक रतनलाल डांगी ने कहा कि मन और बुद्धि ही असली ड्राइवर है। यदि ड्राइवर अपसेट हो जाए तो दुर्घटना तो होनी ही है। उन्होंने कहा कि सड़क नियमों को हम सभी लाइफ का हिस्सा बना लें। सड़क कितनी भी अच्छी हो, गाड़ी कितनी भी नई हो लेकिन गति को नियंत्रित रखें।

कि दुर्घटनाओं में मोबाइल का रोल बहुत ज़्यादा है। रेल से सम्बंधित दुर्घटनाओं का कारण लापरवाही है। ब्रह्माकुमारीज़ रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट की कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. कविता दीदी,मुम्बई ने वीडियो संदेश के माध्यम से कहा कि हमारी संस्कृति 'पहले मैं' की नहीं, 'पहले आप' की है। पहले मैं से पहले आप का ये छोटा सा परिवर्तन जीवन का स्ट्रेस कई गुना कम कर देता है। यातायात प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. दिव्यप्रभा दीदी व इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय समन्वयक ब्र.कु. हेमलता दीदी ने भी अपने विचार रखे। स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. मंजू दीदी ने बताया कि अमृत महोत्सव के प्रतीक रूप 75 मोटरबाइक की यह यात्रा शहर में सड़क सुरक्षा का संदेश देने हुए मस्तूरी-बलौदा-नरियरा क्षेत्रों में जायेगी।

रेलवे पुलिस उप-महानिरीक्षक भवानी शंकर नाथ ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा शहरों सहित गांवों में भी जागरुकता लाने के लिए इस तरह की सेवाएं देना सराहनीय है। उन्होंने कहा

100 पुलिसकर्मी हुए सम्मानित

इस अवसर पर 100 पुलिसकर्मियों को ब्रह्माकुमारी बहनों ने अमृत महोत्सव के पट्टे, श्री फल व ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया। इनमें यातायात पुलिस के 20, रेलवे सुरक्षा बल के 50 व नगर पुलिस के 30 पुलिसकर्मी शामिल थे।

शहर में निकाली बाइक रैली

यह यात्रा शहर के यातायात पुलिस रोहित कुमार बघेल की उपस्थिति में राज किशोर नगर सेवाकेन्द्र शिव-अनुराग भवन से आरंभ होकर विभिन्न स्थानों पर संदेश देते हुए वापस सेवाकेन्द्र पहुंची। इस यात्रा में यातायात पुलिस विशेष सहयोगी रही।

एक ईश्वर से जुड़कर ही हम आत्मिक तौर पर शक्तिशाली हो सकते हैं

'स्वर्णिम भारत का आधार-आध्यात्मिक सशक्तिकरण' संगोष्ठी का आयोजन

जबलपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के स्थानीय मुख्य सेवाकेन्द्र शिव स्मृति भवन,भंवरताल में 'स्वर्णिम भारत का आधार-आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद् के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि सारा संसार भौतिकवाद में फंसा है, पर भारत अब भी संसार के सार यानी अध्यात्म को नहीं भूला है। वस्तुतः भारत की पहचान ही आध्यात्मिक शक्ति है। यही शक्ति भारत के विश्व गुरू बनने का आधार होगी। उन्होंने कहा कि समूचे ब्रह्माण्ड में एनर्जी का परम स्रोत परमात्मा है। उस एक ईश्वर से जुड़कर ही हम आत्मिक तौर पर शक्तिशाली हो सकते हैं। सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. भावना बहन ने कहा कि जिस अध्यात्म की बात डॉ. तोगड़िया ने की, उसकी आभा ब्रह्माकुमारी संस्थान पूरे विश्व में फैला रहा है। हम परमात्मा से वही एनर्जी लेकर न सिर्फ स्वयं को

एनर्जेटिक बनाते हैं, बल्कि विश्व को सकाश देकर सारे तत्वों को भी शक्तिशाली बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस एनर्जी का आधार राजयोग है। ब्र.कु. वर्षा बहन ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराकर आत्मिक शांति की अनुभूति कराई। आरंभ में डॉ. तोगड़िया को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित भी किया। डॉ. एस.के. पांडे ने संस्था का परिचय दिया। सम्मान पत्र का वाचन डॉ. श्याम रावत ने किया। कार्यक्रम में अहिप पदाधिकारी प्रीति धनगारिया, डॉ. एलबी चंदेल सहित अन्य ने भी अपने विचार रखे। प्रकाश भाई ने आभार व्यक्त किया।

'दया और करुणा' शून्य कर देती है इंसान का अभिमान

कोरबा-छ.ग.। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर 'दया और करुणा के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण' थीम एवं 'रक्त दान शिविर' का तनाव मुक्ति केन्द्र,कोहड़िया बरपारा में अयोजन किया गया। इस मौके पर नगर पालिका निगम मेयर राजकिशोर प्रसाद ने कहा कि जब इंसान के अंदर दया और करुणा का भाव जागृत होता है तो उसका अभिमान शून्य हो जाता है और फिर मानव तो क्या, हिंसक पशुओं के प्रति भी वही दयाभाव और करुणा की दृष्टि आ जाती है।

डॉ. भरतभूषण बोर्डे ने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि यहां के भाई-बहन बहुत शांति से रहते एवं इनके सभी कार्य भी शांति से होते हैं। कम आवाज़ में बात करना इनकी व्यवहार कुशलता को दर्शाता है। डॉ. जयपाल सिंह ने कहा कि जिस धरती में हम पैदा होते हैं उसके कर्ज़दार होते हैं और उसका ऋण चुकाना होता है। वो ऋण चुकाने का कार्य ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा निश्चित ही हो रहा है। प्रदीप जैन ने कहा कि दया और करुणा के ज़रिये ही हम परमात्मा तक पहुंच सकते हैं। आनंद अग्रवाल ने माँ को दया और करुणा का सागर कहा। ब्र.कु. बिन्दू बहन ने कहा कि हमारे पिता परमात्मा दया और करुणा के सागर हैं, तो हमारा भी एक-दूसरे के प्रति दया व

करुणा का भाव हो। प्रकृति, जीव-जन्तु, पदार्थ सबके प्रति वो भाव हो। इसी के लिए आज आध्यात्मिक सशक्तिकरण की आवश्यकता है। ब्र.कु. रुक्मणी दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता माना कि मैं कौन हूँ, कहाँ से आई हूँ, क्या करने आई हूँ और जो आप दिख रहे हो या मैं दिख रही हूँ वो न आप हो न मैं हूँ। तो मैं एक चैतन्य शक्ति आत्मा हूँ, यही आध्यात्मिकता है। तत्पश्चात् वृक्षारोपण का भी कार्यक्रम हुआ। अंत में आयोजित रक्तदान शिविर में कई प्रतिभागियों ने रक्त दान किया एवं अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों को ब्र.कु. रुक्मणी दीदी ने प्रमाण पत्र दिया। डॉ. के.सी. देबनाथ ने रक्तदान को बहुपयोगी बताते हुए उसकी महत्ता का वर्णन किया। मंच का कुशल संचालन ब्र.कु. शेखर राम,पूर्व एडिशनल पब्लिक प्रोसिक्यूटर ने किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।